पी॰टी॰आई॰ के राष्ट्रीय सम्मेलन में
महामहिम राज्यपाल श्री राम नाथ कोविंद का सम्बोधन

दिनांक– 26.08.2016, समय– 03.00 बजे अप॰, स्थान– होटल मौर्या, पटना

फेडरेशन ऑफ पी॰टी॰आई॰ इम्पलाईज यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष जान गोंसालविस जी, महासचिव श्री एम॰ एस॰ यादव जी, पी॰टी॰आई॰ बिहार के ब्यूरो–प्रमुख और इस सम्मेलन की आयोजन– समिति के अध्यक्ष श्री संजय सिन्हा जी, सुलभ इंटरनेशनल के संस्थापक श्री बिन्देश्वर पाठक जी, सम्मेलन में पधारे पत्रकारगण, बहनों एवं भाइयों!

मैं पी॰ टी॰ आई॰ न्यूज एजेन्सी के बिहार की राजधानी पटना में आयोजित 'राष्ट्रीय सम्मेलन' का औपचारिक उद्घाटन करते हुए प्रसन्नता अनुभव कर रहा हूँ । मैं इस सम्मेलन में देशभर से आए सभी पी॰ टी॰ आई॰ कर्मियों और पत्रकारों को बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए इस सम्मेलन की समग्र सफलता की मंगल कामना करता हूँ।

मुझे विश्वास है कि इस सम्मेलन के विभिन्न सत्रों के दौरान चर्चा किए जाने वाले विभिन्न विषय जनमानस से जुडे ज्वलंत मुद्दों पर केंद्रित होंगे तथा इन पर सम्मेलन के प्रतिभागियों द्वारा गंभीरता और व्यापकता पूर्वक विचार किया जाएगा।

मित्रों, आधुनिक विश्व में लोकतंत्र और लोकतांत्रिक संस्थाओं का तीव्र गति से विकास हुआ है। मीडिया भी लोकतंत्र का एक सशक्त स्तंभ है। न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका के

बाद यह देश के चौथे स्तंभ के तौर पर जाना जाता है तथा देश का कोई कोना ऐसा नहीं होगा, जो कि इसकी पैनी दृष्टि से बचा हो। मीडिया अपनी सार्वदेशिक और सार्वकालिक पहुँच के कारण ही लोकतंत्र के सुदृढ़ीकरण का एक मजबूत जरिया है। सभी लोकतांत्रिक राष्ट्रों में जहाँ विचारों एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है, वहाँ मीडिया द्वारा अपने दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन हो रहा है। वर्तमान समय में एक ओर जहाँ मीडिया हमें देश के राजनीतिक, सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों की जानकारी प्रदान करता है, वहीं विदेशों में घटित घटनाओं एवं बदलते सामाजिक मूल्यों से हमें अवगत भी कराता है। सही मायने में मीडिया लोकतंत्र का एक सजग और सशक्त प्रहरी है, जिसके माध्यम से जनसाधारण अपनी इच्छाएँ, विरोध, समर्थन एवं आलोचना आदि को प्रकट कर पाते हैं। दूसरे शब्दों में यह कहा जा सकता है कि मीडिया जन–आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति का एक प्रभावी मंच है और उसका प्रतिबिंब भी है। मीडिया जन–मानस के एक प्रवक्ता के रूप में भी कार्य करता है। सरकार की त्रुटियों से संबंधित जन–शिकायतें मीडिया द्वारा ही अभिव्यक्त की जाती हैं, जिनसे किसी भी सरकार के लिए राष्ट्र की नब्ज मालूम करना सरल हो जाता है।

लोकतंत्र में जनमत का अतिमहत्वपूर्ण स्थान है और इस जनमत के निर्माण का कार्य भी मीडिया द्वारा ही होता है। सरकार की नीतियों एवं कार्यक्रमों पर अपनी टिप्पणियों एवं आलोचना के द्वारा मीडिया वास्तविकता को जनता के समक्ष रखता है। महत्वपूर्ण नीतियों की सूक्ष्म बातें, जो कि साधारण नागरिक को समझने में कठिन होती हैं, मीडिया द्वारा ही स्पष्ट की जाती हैं। मीडिया का एक महत्वपूर्ण कार्य यह भी है कि यह लोगों के लिए अंतर्राष्ट्रीय से

लेकर क्षेत्रीय स्तर तक की महत्वपूर्ण समस्याओं पर पारस्परिक संवाद एवं चिंतन की मानसिकता तैयार करे। परन्तु मीडिया को अपने अधिकार एवं स्वतंत्रता का प्रयोग करते समय यह विशेष ध्यान रखना चाहिए कि उनके द्वारा प्रकाशित अथवा प्रसारित किसी भी लेख या कार्यक्रम से देश की एकता, अखंडता और शांति को आघात नहीं पहुँचे। मीडिया का यह कर्तव्य है कि बिना किसी पक्षपात और पूर्वाग्रह के जनता को वास्तविक स्थिति से अवगत कराए। मीडिया लोकतंत्र और मानव–अधिकारों का सशक्त प्रहरी है। ऐसे में उसे कुशलतापूर्वक राष्ट्र के प्रति अपने उत्तरदायित्वों को समझते हुए देश के विकास में अपना अमूल्य योगदान करना चाहिए।

यह प्रसन्नतादायी है कि मीडिया संस्थानों से जुड़े लोग इन पर स्वयं भी सकारात्मक रूप में गंभीरतापूर्वक विचार कर रहे हैं। पत्रकारिता के क्षेत्र में आई कई विसंगतियों पर आज गंभीरतापूर्वक चर्चायें शुरू हो गई हैं। पेड न्यूज, सनसनी पैदा करने वाली तथ्यहीन खबरों को अधिक बढ़ावा दिया जाना तथा विकास एवं सामाजिक सरोकार से जुड़े मुद्दों को उचित कवरेज नहीं मिल पाना – ये सब ऐसी बातें हैं, जिन पर स्वस्थ और निष्पक्ष ढंग से विचार होना चाहिए। देश का चतुर्थ स्तंभ कहलाने वाले पत्रकारों को यह स्वयं ही तय करना चाहिए कि क्या उनका उद्देश्य केवल बाजार में अपनी खबरें बेचना भर ही है या जनकल्याण के काम में सहयोग करना और समाज को सही दिशा बताना भी उनके लिए श्रेयस्कर है।

मैं आशा करता हूँ कि पत्रकारगण स्वयं आत्म–चिन्तन करेंगे और सच्चे अर्थों में अपने को 'कलम का सिपाही' साबित करेंगे। हिन्दी पत्रकारिता जगत् के

भीष्म पितामह बाबूराव विष्णु पराड़कर जी ने आदर्श पत्रकार के दायित्वों का उल्लेख करते हुए लिखा है कि ''पत्रकार का स्थान आधुनिक समाज में बड़े महत्व का है। समाज के जीवन में जिन प्रश्नों पर उचित निर्णय की आवश्यकता होती है और जिन निर्णयों पर समाज का जीवन अन्त में निर्भर रहता है, उनके बारे में जनता को योग्य जानकारी कराना, उनके सम्बन्ध में जनमत का निर्माण और नेतृत्व करना, उस मत को प्रकट करना तथा उससे अधिक–से–अधिक लाभ जनता को पहुँचाना एक आदर्श पत्रकार का कर्तव्य है । सच्चे पत्रकार के लिए पत्रकारिता केवल लाभ या जीविकोपार्जन का साधन मात्र नहीं होना चाहिए, उसके लिए कर्तव्य–साधन की एक पुनीत वृत्ति भी होनी चाहिए।''

श्रद्धेय पराड़कर जी द्वारा सन् 1941 में व्यक्त ये विचार तब जितने प्रासंगिक थे, उतने ही आज भी हैं।

मित्रों, मेरा विश्वास है कि तड़क–भड़क और सनसनीखेज खबरों के बजाए अगर जनहित से जुड़े मुददों को बेहतर ढंग से प्रस्तुत किया जाए, तो उससे अखबार या टीवी चैनल की लोकप्रियता और भी बढ़ेगी। समाज के दबे–कुचले तथा अभिवंचित वर्ग की समस्याएँ और उनके कल्याण एवं उत्थान को और प्रमुखता एवं विस्तारपूर्वक कवरेज दिया जाना एक प्रशंसनीय कार्य हो सकता है, जिससे सामाजिक समरसता भी बढ़ेगी और राष्ट्रीय एकता को भी मजबूती मिलेगी। मुझे पूर्ण विश्वास है कि पी॰टी॰आई॰ जैसी रा ट्रीय न्यूज एजेंसी इस जिम्मेवारी को पूरी निष्पक्षता के साथ अच्छी तरह से निभा रही है।

मुझे खुशी है कि राजधानी पटना से प्रकाशित कुछ अखबार 'पर्यावरण–संरक्षण', 'स्वच्छता अभियान' तथा अन्य सामाजिक रचनात्मक कार्यों में अपना सक्रिय सहयोग कर रहे हैं।

मुझे बताया गया है कि 1950 में स्थापित पी॰टी॰आई॰ के प्रतिनिधि सैकड़ों देश, यथा– अमेरिका, इंगलैंड, चीन, जापान तथा पड़ोसी देश–पाकिस्तान, श्रीलंका, बंगलादेश एवं नेपाल में कार्यरत हैं और वे अपनी लेखनी के जरिये विश्व स्तर के समाचार से देशवासियों का ज्ञानवर्द्धन करते रहते हैं।

देश के भीतर भी पी॰टी॰आई॰ का नेटवर्क सभी राज्यों और जिलों में है, जिसके कारण वे देशभर की तस्वीरें रोजाना प्रस्तुत करते रहते हैं।

बिहार की ही अगर बात करें तो प्रदेश की राजधानी पटना में पी॰टी॰आई॰ के ब्यूरो सहित प्रदेश के सभी 38 जिलों में इसके संवाददाता तैनात हैं और वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी तल्लीनता और तत्परता के साथ एक सजग प्रहरी के रूप में कर रहे हैं।

पी॰टी॰आई॰ के इस राष्ट्रीय सम्मेलन में आप सभी पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों को मैं पुनः अपनी हार्दिक बधाई देता हूँ और आपके इस आयोजन की सर्वविध सफलता की शुभकामना करता हूँ। आप सबको बहुत–बहुत धन्यवाद।

जय हिन्द !

***

प्रस्तुति–जन–सम्पर्क शाखा, राजभवन, पटना।